



# फ्लेमिना

नागराज

सुपर कमांडो ध्रुव  
का मल्टीस्टार विशेषांक



संजय गुप्ता  
पेश करते हैं!

# फलेमिना

कथा : जीली सिन्हा    चित्र : अनुपम सिन्हा    इंकिंग : विनोद कुमार    सुलेख व रंग : सुनील पाण्डेय    सम्पादक : मनीष गुप्ता



तुम ब्लोग आठ हजार फीट ऊंची बर्फ से ढकी चोटी पर जा रहे हो! वहाँ पर बहुत ठंड होगी!

पापा, आप तो जानते हैं कि मुझे बटन गर्म रखने के लिस जैकेट की जरूरत नहीं है! वह तो मुझे सिर्फ दूसरों को दिखाने के लिस पहननी है!

दूसरों की? हम! ये दूसरे क्यों हैं जिनको तुम्हें अपनी जैकेट दिखानी है?

ओ, कम ऑन पापा!



मेरा मतलब तुम्हारे साथ मऊटे निबसि हिप पर और कोल-कोल आ रहा है?

बिडाल, तरुण, डागि, ताक्या और विषाक! और साथ में दो हीचर भी हैं!



सब हमारे टेनिंग टीचर हैं और दूसरे हमारे जप टेपरेरी कंप्यूटर टीचर सिल्लू सर!

सिल्लू! ये तो बच्चे का नाम है!

सर भी बच्चे ही हैं!

हे भगवान! ये कैसी हिप है? बच्चे टीचर बनकर जा रहे हैं!



कुल बूट पापा! पहानों पर वहाँ के कुछ सक्सपर्टे परतारो ही हमारे साथ रहेंगे!

ओ, के! ओ, के!



लीजिस! मुझे लेजे के लिस बैन भी आ गई! बाय, बाय, पापा!

हब सनाइस टाइम बेटा!

आहा! अब मैं आराम से उस फार्मूले की कोशिश कर सकता हूँ, जो इस बाय-बेटी में सम्भव उस कालक को मिटा देगा, जो हमको सामान्य मनुष्य बनाकर जीने नहीं दे रहा है!



मैंने उस फार्मूले को तो दूँ, निकाला है। अब मुझे सिर्फ उस फार्मूले को बनाना है!

और इस फार्मूले को दो बार पीने के बाद इस दुनिया से न्याय का असो मिडिल मिड आसगा!





बस कुछ ही देर में... ओ ओ!

फिर लाइट चली गई? आजकल बिजली बहुत ज़रूरी है! और बिना बिजली के मेरा काम आगे नहीं बढ़ सकता! चल भाई कल्लावा, आराम कर ले थोड़ी देर! ✽

बिजली के बग़ैर कल्लावा का काम चले सकता था -

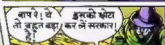


लेकिन कई लोगों के काम बिजली नहीं आने से आसान हो जाते थे -

हां, रे? कहाँ जा रहा है? रोड-टेक्स तो देना ज़ा!

रोड-टेक्स? वो तो सरकार लेती है न!

मैं देता हूँ, बराबर देता हूँ!



बाप रे! ये तो बहुत बड़ा है!

इसको छोटा कर ले सरकार!



यहाँ के सरकार हम हैं! ला, जो है, निकाल!

पर रसीद तो देगा न भाई? साइन करके!

रसीद देगा न! तेरी थोड़ी पर! इस आठ इंच वाले पन से!



फोफिंग

हूँSSSSS

उयईSSSS?

आSSSSS

बचाओSSSS

काम करना है! मेरा  
घर काम करता है!

लेकिन इसको जरा  
और बड़ी बस पर  
आजमाना चाहिए!

जैसे वह... क्या  
कहते हैं उसे... हां,  
बस!

ही ही ही!



लेकिन संयोगवश  
मदद भी पास में  
ही मौजूद थी-



अरे! ये क्या २ में तो  
सहानगर में होने वाली  
ब्रह्मांड रक्षा की  
इमर्जेंसी मीटिंग के लिए  
जा रहा था। लेकिन  
बलात् है कि मैं मीटिंग  
के लिए लेट होने  
वाला हूँ!

भगवान!  
हमें बचाओ!

ओफ़! ये बस तो  
बहुत तेजी से धीक  
हो रही है!

शिष्टकियों और  
दरवाजों में पकड़ने  
तक की ज़रूरत  
नहीं है!

बर्बा  
में इस मेटल  
चादर को कागज  
की तरह फाड़  
डालता!

अब रुक, ठी  
शकस्त है!



इच्छाधारी कर्णों में बढ़ता  
हुआ नागराज का शरीर बस  
के अंदर घुसना चला गया-

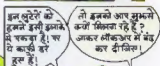


और-



तुम लोग रीक  
ले हो न बच्चों?

नागराज,  
ये देखो!



इन लुटेरों को  
हमने इसी इलाके  
में पकड़ा है। पर  
ये काफी बड़े  
हूँ हैं!

तो इनको आप सुझसे  
क्यों मिलवा रहे हैं?  
आकर लौकअर में बंद  
कर दीजिए।

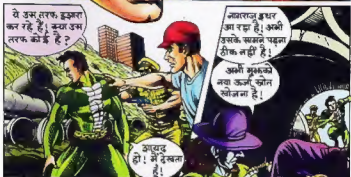


इनके हाथों  
को गौर से देखो  
नागराज!



अरे! ये तो... यानी  
इन्का सामान भी उसी  
वास्ति से हुआ है,  
जिसने बस पर बार  
किया था!

शायद इन्होंने उसको  
देखा भी हो!



ये उस तरफ इधारा  
कर रहे हैं! क्या उस  
तरफ कोई है?

नगराज बुधर  
आ रहा है! अभी  
उसके सामने पहना  
ठीक नहीं है!

अभी मुझको  
नया ऊर्जा स्रोत  
सोचना है!

आपद  
हो! मैं देखता  
हूँ!



अब, रैजनी!  
रोक नगराज का  
रास्ता!

और हो सके  
तो इसकी सोर्सो  
को भी रोक दे!



ओह! ये क्या है?  
एक छोटा सा कीड़ा!  
क्या वे खोर इसी की  
तरफ इधारा कर रहे  
थे?

नहीं, ये कीड़ा इतना  
बुराबना नहीं है! और  
इसमें पिस्सोव को  
छोटा कर सकने की  
शक्तता भी नहीं  
हो सकती है!

और...

अरे! ये  
कीड़ा तो  
बिजली बन हो  
रहा है!

घो कर रहा है,  
बिजलीकच  
रूप धारण कर  
रहा है!

असली मसीहान  
इन पाइपी के पीछे  
छिपी है!

और मुझे उस नक,  
पहँचकर उसको  
हमेशा के लिए  
खत्म करना  
होगा

**धड़ १११**

और इस जीव से  
सर्प के गुण भी हैं।  
ये जकर मुझ पर किया  
शया सब सोचा समझा  
हुमला है!

उधर सैन नागराज का डूनजार कर रही थी -

और उधर ज़हरील रहक -

ये नागराज कहा  
शायब हो शया ?  
स्वामरन्ध्र में हुमा  
टाड्डम स्वराब हो  
रहा है।

कोई कारण  
जकर है! नागराज  
के आने के समझ  
से तो मुझ घड़ी  
मिलना सकते  
हो!

डीsss! मेरा  
ट्रॉममीटर अहाजगर पुलिंग  
बन स्वास बैसेज पकड़ रहा है!

मुनो! मे  
म्पीकर ओन कर  
रहा है!

पुलिस यूनिट्स 25, 44, 31 घायल हैं! सड़ित रोड पर जगमगाते सड़ित विमानकार जीव से भुग्न रहा है! प्राणी स्वतन्त्रता है! पूरे इलाके की लकड़बंदी कर दें...

...और किसी को भी छत-स्थल से 500 मीटर की दूरी से आगे न जाने दें!

स्वयं भी सतर्क रहें! और स्पेशल यूनिट के आगे का इंतजार करें! आम बंदूकें प्रगुनी पर बेअसर हैं!



इसीलिए सिर्फ सुरक्षात्मक कार्यवाही करें! अन्यथा...



स्पेशल यूनिट को बीना बना देने वाली सड़ित स्वयं यूनिट जगमगाती मदद के लिए खोजा हो चुकी है!

और दार्जिलिंग से ८० किलोमीटर  
दूर पश्चिम में-

आवाज़ बच्चों!  
तुम सब बहुत  
अच्छा कर रहे  
हो : धनराज  
मन : दो ईस्टर  
नुस्करे आगे हैं  
और दो पीछे !

कहीं कोई  
खतरा नहीं  
है !

हाँ ! ये बूँदें  
हैं ! बच्चे !  
बच्चों !

देखो ! अब ध्यान में  
देखो ! अब हम पहाड़  
झुक करने जा रहे हैं !  
इसके लिए सबसे पहले  
हम बर्फ़ से कीलें  
गड़ेंगे !

चार, मेरे पैर  
झोंप रहे हैं ज़मीन  
हिल रही है ?

ये ज़मीन  
नहीं है, बर्फ़  
की मोटी परत  
है !

कितनी  
पहाड़ान के नीचे  
धिपने की कोशिश  
मल बनना ! केई  
अब दूदों !

कंपन तो मुझे  
भी महसूस हो रही  
है ! कहीं भूकंप तो  
नहीं आ रहा है ?

ओ माई गॉड! ये बर्फाली चट्टान तो इधर ही आ रही है! अब हम नहीं बचेगे!

मैं मरना नहीं चाहती! मैं मरना नहीं चाहती!

रुको अम! इधर-उधर मत भागो, बर्फ की पर्त के नीचे कई खतरे छिपे हो सकते हैं!

बर्फ की चट्टान बच्चों को कुचलने के लिए बढ़ती आ रही थी-

और उस बिज्ञान चट्टान में बचकर भाग जाना

या उसको लपट कर पकड़ना असंभव था-

या उसको रोक पाना-

व्हाट! ये चट्टान पहले हम में रुक गई, और फिर टूट गई! पर कैसे? हायद ये हल्की और ऊंची बर्फ की बनी थी!

लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है कि बाकी चट्टानों भी इस जैसी ही हों!

ओह! ये बदमाशें  
मंसूफ में बहुत ज्यादा हैं!  
मैं इन सबको एक साथ  
अहीं सेक सकता!

अब होनी होकर  
ही रही-

जिसका अभिप्राय तक  
नहीं था, वही हुआ-

अब तो कोई  
अब होनी होकर  
ही रहेगी!

फलेजिना?

फलेजिना! तुम  
कहां से आ गईं?

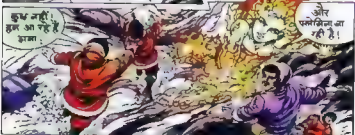
मल्लन मल्लन! तुमको  
कहना चाहिए था कि  
'येक बीड': तुम मंसूफ  
पर आ गईं, फलेजिना!

हां फिर सिक, 'येकबीड फलेजिना'  
से भी काम आ  
जाता!

मे कुछ-कुछ  
समझ रहा है कि  
तुम कहां से  
आई हो!

शामा!

शामा, तुम  
कहां हो?





लेकिन नागराज का भी बचना मुश्किल लग रहा था-

मेरी बिचकुंकर इस पर सिर्फ इतना ही असर हुआ था रही है कि मुझे इसके अंकुश में आज़ाद कर सके !

कुंकर कुंकर

अब मेरे सामने एक ही रास्ता है ! बिचकुंकर का प्रयोग करने का !

इसके अंगर में अपना बिच पहुंचाकर इसको घाला डालने की !

आसस हा ! लफ्ट हो गई वे आफन



नागराज ! तुम ठीक हो न ?



ओहो ! धन्यवाद दोस्तों ! तुम लोग एकदम सही बन्त पर आरु हो !

मीटिंग प्लेस तक जाने के लिए लिफ्ट मिलेगी ?





लंघन

आइस है!

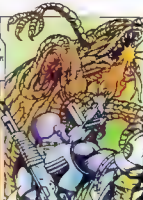
ये शलक  
भी फिर कैसे  
विकसित हो  
गया?

पना नहीं!  
मैंने आते ही  
इसका बायो स्कैन  
करने की कोशिश  
की थी! लेकिन  
स्कैन में कुछ  
आया ही नहीं!

ज्यादा टेक्नीक का  
इस्तेमाल करोगे तो हम ही हाथ  
आयगी! बेशक नामा सीधा रास्ता अफसोस!  
मैं इसके इन्टरे टुकड़े कर दूंगा जिसको सम  
कर भी आपस में जुड़ने में सक्षम होत जायगी!

दुश्मन को इतना कमजोर  
जित सक्ता होगा! अभी  
हमको इसके बारे में कुछ  
भी नहीं पता है,

जब तक हमको इसकी  
अग्निशक्ति और कमजोरियों  
का पता न चल जाय तब तक,  
हम इसको मारने की योजना  
नहीं बना सकते!



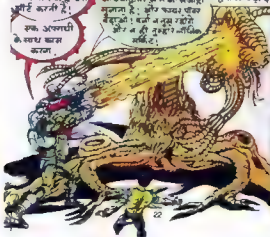
नम तो फिर, इसकी  
अग्निशक्ति की योजना बनाओ  
क्योंकि हमारी प्यारा प्यारा  
इसको धुंआ बनाकर  
हम में उड़ा देगी!

मरीच!

मेरे लीडर, मर्कट  
को फिर, एक ही बात  
गोर्त करनी है!

एक अस्पाही  
के साथ प्यारा  
करना

तो नम मुझे, आज सम्भवतो:  
जे न्यायालय जैन की सजा ही  
मुलाजिम है: और प्यारा प्यारा  
बैदाही: बर्तन न नम रहेंगे  
और न ही नमहारे लीडर  
मर्कट!



हमारी को  
सम्भव अवधि!

प्यारा प्यारा को  
हंका बना  
पड़ेगा!  
ओह  
मरीच!



और अगले ही पल

अरे! मेरी हेरी ड्यूटी गल विस्मोल के साइल की केस हो गई

अब मेजर पिप का प्रयोग करने के अलावा और कोई चारा नहीं है, हालांकि मेरा कहने से मेरी डेटरी काफी तेजी से द्रिज जार हो रही पर और कोई तरीका नहीं है



मेरी सुपर-गन का भी यही हाल हुआ है, अब हमारी खतरा पीपर में क्राफिस की मीनी के बराबर का टन है!

इसका इस सिद्धान्त ज़ादी पर कोई असर नहीं होगा!

और मरीस के साथ साथ रिगामी के टुकड़े भी जमीन पर आ गिरे-

स्टीव! मुझे कर दिखलाए! पर तुम डीक तो हो

सुपर मेजर की खबर कुल किरण से रेंगती को कई भागों में बांट दिया

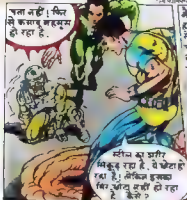


डीक हं! बस जरा भी डेटरी द्रिज जार हो गई है!



आह!

क्या हुआ स्टीव?



और वहां से हज़ारों किलोमीटर दूर-

आऊँ...

अरे! ये हम कहाँ आ गए हैं? लगता है कि हमने हिमालय की गुफाओं में कुछ कोई बंदा रहस्य ढूँढ़ निकाला है!

आऊँ...

ओह, देख के!

सुझावों तो ये किसी प्राचीन लेकिन विकसित सभ्यता के अवशेष लगते हैं!

मैं डिजिटल कैमरा से इसकी फोटो उतार लेता हूँ!

बर्नो क्या पता कोई हमारी खोज पकड़ करे या न करे!

अरे! डिजिटल कैमरा में तो कुछ आ ही नहीं रहा है! उम्मीद ये थी कि से खराब हो गया है!

फोटो तो हम तब दिना पाएंगे जब यहाँ से बाहर निकल पाएंगे! हम बाहर कैसे निकलेंगे?

उसी सुरंग से जिसने हमको यहाँ तक पहुँचाया है!

वह सुरंग बर्फ में ढकल गाढ़ हो चुकी है! कोई और रास्ता ढूँढ़ो!

रास्ता तो मैं एक मिनट में...

चुनें!

क्या गुरु-

हूम हूम!

उसी इस तेज लकीरों की यह मसालों में ज्यादा बल नहीं लगाए कि मैं ही छोटा भारवाह हूँ!

ये बिपाक बड़ा सख्तान बन रहा है। जैसे कि मैं उसनी ही नहीं कि वे छोटा साहायन है। पर वे नहीं जानता कि मैं पनेजिना हूँ। और इन दोनों को पाप भर से उठा कर यहाँ से निकाल ले जा सकती हूँ।

लेकिन जब वे मेरे सामने अपना भेद नहीं खोल रहे हैं तो मैं इनके सामने अपना भेद क्यों खोलूँ ?



कहीं से भी आ रही हो, अच्छा ही है। अब मैं अराम से रुक से रुकी इस सुरंग को खोल सकती हूँ। पनेजिना के रूप में।

बिपाक सिलसु इधर अओ! मुझे तबला मिल गया है!

लेकिन क्या उस रहस्यमयी सुरंग से निकलना इतना आसान था ?

मुक: जान कि, धुंध घनी है लेकिन तुम मेरा हाथ इतनी कमरे क्यों पकड़ रहे हो ? इनका तो मत दरो



हैल्लो

मैं कहाँ खर रहा हूँ। खर तो नू रहा है जो मुक पकड़ रहा है!

सक कई मुर्माबन आकार ले रही थी-

और उधर किसी की आंखें  
आश्चर्य से फटी जा रही थीं-

ओह! लगता है  
कि मेरी तलाश  
पूरी हो गई  
है।

मंजिल खुद  
खोजकर मेरे पास  
आ गई है।

इन्होंने फिर हमारे कप की  
ही नहीं, हमारी इच्छाओं  
की भी लकड़ें कर ली  
हैं होरा!

और मेरे कप के  
अंदर जो बिज पैदा हो  
रहा है, वह मेरे बिज  
जितना ही घातक  
है!

तु जो भी है, तुने  
होरा को चुनौती दी है!  
और होरा चुनौती देने वालों  
को चुन- चुनकर मारता है  
यह जो नंबर तेरा है...  
और मेरे बाद...

अस्स ह!

इसमें तो मेरे  
जेसी ही लकड़ें  
हैं;

कम नहीं है  
तो कम करना  
पड़ेगा।

तुम सही  
कह रहे हो,  
मगराज!

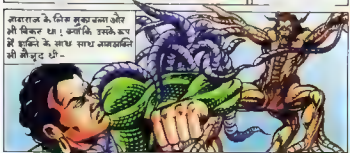
मेरा कप भी  
कलबाजी में  
मुझसे कम  
नहीं है!





यह नष्ट हो गया था कि कोई भी रूप की नकल न कर सकता है - पर दिवारा की नहीं-

जादाराज के निम लुकावला और भी बिकर था ! क्योंकि उसके रूप में इन्दि के साथ साथ जगद्विनि भी मौजूद थी -



जगन्नाथ जो भी कर कर रहा था-

व उसकी खुद भी भेलने पड़ रहे थे-

शुद्ध

लेकिन मेरी तक इतने  
सेसी है जिसकी तकल  
ये चाहकर भी नहीं  
कर सकता!

आइए! मैं जो भी  
कर करता हूँ ये नहीं कर  
सककर मेरे ऊपर कर देव है.

इच्छाधारी इतने!

अब पलड़ा जगन्नाथ का भरी था

जयराज जीत गया था-

लेकिन अभी भी लड़ाई का अंत बहुत दूर था



ओह! ये तो रुकने ही नहीं हैं! क्या है इनकी डाकिले का राज?

जयराज?

मजाक छोड़ होगा! मे तो हम भी खाने हैं!

ध्रुव



ये आवाज!  
अरे, स्टील तुम!

हां, ध्रुव! मैंने लड़ाई के दौरान इस शस्त्री का धीरे-स्केन किया है! स्कैनर छोटा होने के कारण समय ज्यादा लगा गया पर रिजल्ट आइडल्वजनक आया है.

ये प्राणी जैविक पदार्थों का नहीं, बल्कि लिंबिंग मेटल का बना हुआ है! और उसके अंग ऑक्सीडाइज होकर वाली रूपा में मैनुअल ऑक्सीजन के साथ संयोग करके विकसित करते हैं!

इसको नष्ट करना असंभव है! क्योंकि ये एक कण से भी एक इमारत जितना विकसित हो सकता है!



तब तो इनको मारना और भी आसान है, स्टील!

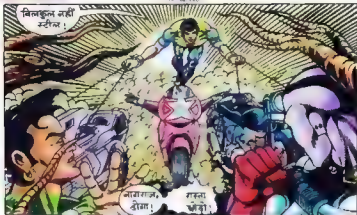


वो कैसे?



अब इनको हमारी मीटर साइकलें मारेंगी!

तुम पागल हो गए हो ध्रुव!



अब इससे पहले कि हम  
पर और कोई हमला हो,  
हमको हमलावर को दंड  
निकाशना है.

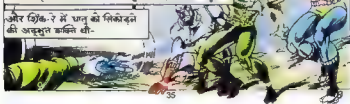
ये जीव इधर  
से ही आया था!  
फनी हम पर  
हमना करने वाला  
भी इन पाइपों  
के बीच में ही  
भुजा हुआ है!

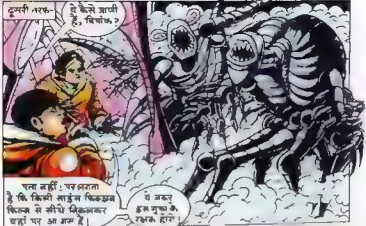
जल्दी ही-

ओहो! तो ये  
मूसीबत की  
जड़!  
अरे!

जीत की खुशी में ब्रह्मांड रक्षक ये भुल गए थे कि  
उनमें से हर एक के शरीर पर धातु की कोई न कोई बस्तु थी

और शिकार में धातु को निकोदने  
की अद्भुत कला थी-





टूम्सी नरक-

ये कैसे आधी है, बिपाक?

पता नहीं! पर झगता है कि किसी साइंस फिक्शन फिल्म से सीधे निकलकर वहाँ पर आ गये हैं।

ये जकर इस मुका के, रफक हारे।



और इनसे बचाकर यहाँ से निकलना आसान नहीं होगा 5555 आ 5555

अरे, इन्होंने तो हमला करने के बाद हमारी नरक टेस्ता तक नहीं। ये तो हमसे दूर जा रहे हैं।

आमा की ही कुछ ऐसा ही आभास हो रहा था-

बिपाक अभी पीरवा था। वह किसी सतरे में है।



आमा की नरक! अभी उपर से आमा ने हमको आवाज दी थी।

ओह! यानी आमा की जान खतरे में है!

और उसको आमा नहीं बचाने की बचा सकती है!

लेकिन इससे पहले कि फ्लेमिंगा  
विशोक और मिलन्य तक पहुँच पाती  
कोई और उस तक पहुँच गया था-

अरे!

यस ठानो जे  
भी हो, लेकिन फ्लेमिंगा  
मे टकराओगे नो खाक  
मे बहस जाओगे!

स्विरि स्विरि  
स्विरि...

अबस है!

मेरी आग  
का डून पर  
कोई असर  
नहीं हुआ।

क  
मं

इसलिए ये स्पेस मेटल के बने हुए हैं और यह क्रपा की सबसे अच्छी सुचालक है! बेस्टर कंडक्टर!

देखो, तुम्हारी सारी सज्जी तुम्हें चार होकर जमीन में समा गई है! अगर तुम्हें कोई नुकसान पहुँचाए!

यानी मेरी हीट पावर तुम्हें बेअसर है!

फिर मैं इनसे कैसे लड़ूंगी?

इनसे हम लड़ेंगे! पर एक इर्त पर! तुम पहले ये अवलोकें कि तुम ही डामा हो!

जब मैं ही नहीं ले मैं वे कैसे मान लूँ?

तो फिर हम डामा को बंद कर अभी वापस आते हैं! तब तक तुम इनसे अपनी जान बचाने की कोशिश करनी रहो!

अरे नहीं! मुझे छोड़कर मत जाओ!

मैं मानती हूँ कि मैं ही डामा हूँ विप्लव और सिल्वर!

ठीक है, जब तुम्हें  
आनंद ही मिला है तो  
हम इसकी बचाने  
जाते की कोई  
जबरन नहीं  
है!

हम! यानी तुम्हें भी  
यह आनंद मिला है कि,  
छोटी नारायण और स्कूल  
आनंद में विचार और  
मिलान है.

हाँ!

ये हम  
कर कर  
गया, मुक?

संसा है  
ही नहीं.  
संसा हमने  
कच माना?

अभी! जब मैंने उस  
दोनों को मिलान और विचार,  
कहकर पुकारा और मैंने मुझे  
जवाब दिया!

ही ही ही!  
नहीं नम  
है!

हमें ही  
उल्लू बना  
दिया!

उल्लू ने नम  
दोनों ही ही...

... बर्बाद रही रही  
करने के बजाय मुझे  
बचा रहे होते!

ये मुझको अपने  
आँखें बंद करने की  
कोशिश कर रहे हैं!

तुम बक बक,  
बंद करो की ले मैं  
कंसन्ट्रेट कर पाऊँगा  
न!

तुम मुसीबत  
को जड़ से नहीं,  
पह से उखाड़ देंगे  
ही!

उ  
ऑट!

इससे पहले कि हम पर कोई और हमला करे, यहाँ से निकल लो!

मैग हाथ पकड़ी!

ओ गीब! ओ गीब!

क्या हुआ साइडी?

हुआ नहीं है। धीरे-धीरे हो रहा है।

इसके लिए रास्ता की तरफ धीरे से चला हो रहे हैं।

इस तरह से, जैसे कि कोई ब्रह्मकार बुद्धि बना रहा हो।



ये तो फिर से चकन हो गया! और ये फ्लेमिंगा पुर ही हमला कर रहा है!

फ्लेमिंगा! नुम पीछे हट जाओ!

इससे हम दोनों को ही छिपटने दो। जैसे भी नुम्हारी इच्छा इस पर केअसर है!

दो अलग-अलग स्थानों पर दो अलग-अलग घटनाएं घट रही थीं। लेकिन ऐसा लगता था जैसे कि ये दोनों घटनाएं कहीं न कहीं से एक जैसी ही थीं

आइए! मेरी बेल्ट मेरी आंखों को पीस रही है!

बच्चे के लिए इच्छा-धारी इच्छि भी काम नहीं आया!। क्योंकि शरीर से संपर्क होने के कारण ये भी उच्छाधारी कणों में बदल जायगी!

मुझे तो लगता है कि मेरी कुछ परसवियां टूट चुकी हैं

डै ५५५५५



मेरी कलाईयों का भी यही हाल होने वाला है!

और मे ड्रग्स का भी रजोल नहीं पा रहा हूँ! लीक होटा होकर फंस गया है!

लेकिन जहां पर हमला करने के असंभव तरीके होते हैं-

यहां पर बचाव के भी अवगणित रास्ते होते हैं-



नागछबिने! मट्ट करो मेरी!

ध्रुव ने भी एक रास्ता खोजा कर लिया था-



संसिद्ध केवल इन कठों को गला सकते हैं! लेकिन बेल्ट के साथ साथ इसके खानों के मुंह भी छोटे हो गए हैं!

जिससे कि, संसिद्ध केवल अपने आप मेरे हाथ में आ जायेंगे!



मेरी उंगली तक इसके अंदर नहीं जा पा रही है! लेकिन केवल तो बिकलना ही पड़ेगा!

एक दूसरा रास्ता है मेरे पास!

अब मुकदला शिक रे और नया इच्छि के बीच में था-

एक इच्छि बेल्ट को छोटा कर रही थी और दूसरी इच्छि बेल्ट

आ राख

होना बुरी तरह से  
फंसा हुआ था-

आह! ये कबच अब  
तक मुझको दुश्मनों की  
शानियों में बचाना आया है।  
लेकिन मुझे सचने में भी  
रखाल नहीं आया था कि  
एक दिन ये कबच ही  
मुझे भार बनने लगे।

अगर इस कबच में  
दरार भी होती तो मैं इसे  
फाड़ डालता। पर इसमें  
दरार कहाँ से आसगी?

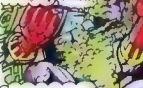
और इनमें अभी भी  
इनका साकद है कि जब  
छेदा होता कबच इनपर  
टकरा डूबेगा...



... तो शानियों तक साथ  
फट पड़ेगी! आह! ह!

मेरी गज छेदी  
आसगी। नकर हो गई है। पर  
अभी भी इसमें सिल्लू  
शानियों से नट दे।

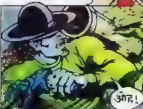
... और मैं इस जल  
लेवा डिकेजे में आनद  
हो जाऊंगा।



मेरा डारर तो जल्दी  
नकर होगा, लेकिन ये  
धमाका कबच में दरार  
भी डाल देगा...

अब हमारे बदन पर  
छान की कोई भी  
चीज नहीं है!

नी नुम अब मेसा  
साजना डुक कर दो कि  
नुम्हारे बदन में एक  
भी रक्तुही नहीं  
है!



मैं फंस गया! अब अगर  
जल्दी ही कुछ न हुआ तो मेरे साथ-  
आह! साथ लाने जावे खोली जायेगी!

क्योंकि अब  
हम नुमको  
सभी धक्के  
जब नुम्हारी  
हड्डियां चुरे  
में बदन चुके  
होंगी!

हूर नरक एक ही सवाल था

जान बचाने का-

मेरी अकलियां भी इन पर बेअसर हैं! काफ़ी व हीट के इनने अच्छे मुचानक न होते तो मैं इनको मरवा देती!

सुनो! एक फ़तान है मेरे पास!

पर उसके लिए सबको मदद करनी होगी, और राहुलिंग भी परफेक्ट होना चाहिए!

हो नास्सी! फ़तान बताओ!

और फिर-

ओह! एक तो इनकी धातु बहुत मजबूत है और दूसरे वे मेरे बलों को महसूस ही नहीं कर रहे हैं!

ये लगते तो गंभीर ही हैं! पर अगर मरना है तो ये इनने मजबूत कैसे बना रहे हैं!

"कि कौन मुझे पार किस नुस फ्लेमिंगा तक नहीं पहुंच सकन-"

संदेह स्पष्ट था

यही मौका है! बस मेरा निशाना न चूके!

निडरता नहीं चुका



और उस किंक के साथ



उन प्राणियों के भारी बदन टूटते हैं  
एक मिनट -



बिचोंक का निडरता भी नहीं  
चुका था -



और न ही फलमिला का-



हमेंने उन  
स्वतंत्रताके प्राणियों को  
मृत्यु दिया! कसाम  
हो गया!

कसाम नो होना  
ही था! हम में होने  
के कारण उनका संघर्ष  
जमीन या दीवारों से  
नहीं था!

और इनके  
पास नुस्खारी हीट  
की नहीं और  
रहंजा सकने का  
तर्क भी नहीं था!

उस कारण से  
नुस्खारी हीट उनकी  
इन्टी के अंदर रह  
गई और इनको  
पिघला...

...फलमिला!



ओह, ये  
धुंध मुझे क्यों  
चिंते रही है?

फ्लेमिंग!

धुंध जितनी तेजी से आई थी,  
उतनी ही तेजी से बिखरती चली गई

और धुंध के साथ-साथ -

फ्लेमिंग गायन  
हो गई! पर  
कहाँ?

अब हम  
अपने साथियों  
को क्या  
बतायेंगे?

सच बतायेंगे  
तो कोई यकीन नहीं  
करेगा! बच्चों पर कोई  
यकीन नहीं करता!

फिर हम  
क्या करें?

पहले तो यहाँ से बाहर निकलना  
है! अगर यहाँ पर हमको टूटना  
होगा तो कोई आशा तो सब  
बड़बड़ हो जायगी!

पर बाहर  
जाकर हम करेंगे  
क्या?

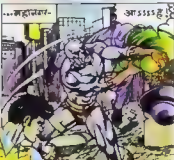
... हमने  
इसका कोई बहुत  
टूटता सर!

लेकिन  
बहुतकहीं  
नहीं मिले!

यही कि...

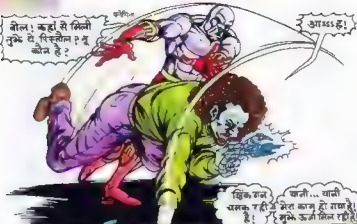
व्हाट!  
अब हम  
उसके फाट  
को क्या-जब  
देने?

इन  
पहाड़ों में  
किसी को  
सीढ़ी पाना  
असंभव है!



बोल! कहां से मिली तुम्हें ये पिस्तौल? वृ कोन है?

आसस ह!

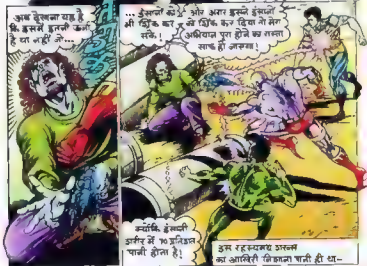


थिंक ठान  
चसक रही है!

यानी... यानी  
मेरा काम हो गया है!  
मुझे ऊनी मिल रही है!

अब देखना यह है  
कि इसमें इतनी ऊनी  
है या नहीं जो...

... इसको को और अगर इसमें इसको  
भी थिंक कर जो थिंक कर दिया तो मेरा  
सके! अभियान पूरा होने का सस्ता  
साथ ही जसका!



अपॉकि इंसानी  
डॉर में 70 प्रतिशत  
पानी होता है!

उस रहस्यमय डरने  
का आविरी निहाला पानी ही था-

और उस पर हमला करने का  
उसका रास्ता साफ हो चुका था

आऽऽऽह!

ओऽऽऽह!

डऽऽऽऽऽऽ

हा हा हा, मेरा प्रवेश  
सफल हो गया! अब  
मुझे अपने अभियान  
को पूरा करने से कोई  
रोक नहीं सकता!

कौन भी  
नहीं?

कौन सा यार हो  
गई? पर कैसे?

क्योंकि, य  
दोनों बहुत  
बोले रहे  
हैं!

मेरा उद्देश्य  
पार्टी का रोक  
डिस्टर्ब करने  
में है।  
निश्चय है!

कोई भी  
नहीं!

पता  
नहीं अंकन  
बस एक धुंध  
सी आई, और  
उसके खींच  
ले गई!

लेकिन  
उसी को क्यों  
ले गई? दुस  
लोको की बला  
नहीं ले गई?

आ—  
आखे मेरी  
बेटी को दुंध  
निभाला या  
नहीं?

मुझे  
दुसरे के  
साथ 'नहीं'  
कहना पड़  
रहा है!

इस लड़कों ने मुझे बताया था कि आपकी बेटी जहाँ पर गुम हुई थी वहाँ पर मशीन का अद्भुत जाल था।

लेकिन इनकी बताई जगह पर बड़ी मुश्किल से उतरने के बाद हमको वहाँ पर सिर्फ एक सुरत मिली, बर्फीली सुरत।

मशीनों का काहीं कोई जालेजिज्ञान नहीं था।

और न ही आपकी बेटी का!

...सफेद मूठ बोला था।

कोई बात नहीं! बच्चों को कभी-कभी गुम हो जाता है!

पर आप मेरी बेटी की तलाश जारी रखिए!

लेकिन... लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है! हमने तो...

जकर! अब मैं चलाता हूँ!

धन्यवाद!

अंकल, हम मूठ नहीं बोल रहे हैं!

तो सब धोड़ो! ये बताओ कि हमला उम्र पर ही क्यों हुआ?

तो... तो, अंकल...

तुम जानते हो कि उसका असल बच्ची नहीं है?

यस, अंकल!

यानी तुम जानते हो कि...

...डामा, फ्लेमिना है!

ओ गॉड!

यानी उसने वहाँ पर अपनी इकित्तों का प्रयोग किया था! और इसी कारण उसी पर हमला हुआ!

डामा किसी बड़ी मुसीबत में है! हमें नाराज की मदद लेनी होगी!

लेकिन नाराज तो कम से घर आप ही नहीं!

ओ गॉड! एक और मुसीबत!

अब मुझे ही कुछ करना होगा!

पर सवाल ये है कि फ्लेमिना इस वक़्त कहाँ पर है?

फ्लेजिना और जगन्नाथ  
इस दबन माध में ही थे-

सब अत्यंत रहस्यमय  
और गूप्ति स्थान पर-

हा हा हा!  
अब मेरे पास ऊर्जा  
का स्रोत भी है और  
मेरा रास्ता रोक रखने  
वाले भी मेरे रास्ते  
से हट चुके हैं!

ये  
ब्रह्मांड रक्षक मेरे  
जिस वह इनाम है जो  
मुझे काम पूरा करने  
से पहले ही मिल  
चुका है!

लेकिन मेरा  
असली साइन तो  
यही है नटकी, क्योंकि  
मुझमें ही मुझे जानी  
का बहुभयमिल  
है, जिसकी मदद  
से मैं अपना  
अभियान पूरा कर  
सकूंगा!

धरती काओं,  
प्यास से मरने के लिए  
नैयर हो जाओ!

पृथ्वी का जीवन स्वतरे में था और किसी को उसका आभास तक नहीं था-

अज्ञात स्वतरे में है खर, और नुम हाथ पर हाथ घरे बैठे हुए की?

एकान्त भ्रमने के निरु हाथ पर हाथ धरकर ही बैठना पड़ता है. गुरु

में अज्ञा से मानसिक संपर्क, बताने की कोशिश करने जा रहा है!



क्योंकि पृथ्वी को भ्रमने की शुरुआत हो चुकी थी

अज्ञा को जल्दी में जल्दी दृढ़ता बढ़ाने लगी थी-



वाक-555  
शक्तिशाली जिनकी स्वतंत्रता होती है. उनकी ही रोशनीचक भी होती है!

सपर सम्पूर्णदृष्टि!

हम रुक क्यों गए हैं? क्या हम किसी चट्टान में फँस गए हैं?

चट्टानों में ही फँस गए हैं, दोस्तों!



क्योंकि धारा पूरी गहराई में सूख चुकी है! चट्टानों में फँस गए हैं। पानी का कोई निशान नहीं है!



लेकिन मकसद ऐसा कैसे हो सकता है! ये तो... असंभव है!



असंभव को संभव बनाने के लिए ही तो शेरू यहाँ पर आया है! इस धारा का पानी अब इस गुफा के अंदर है। पानी जिक्र होकर दो बूंदों में सिमट गया है!

लेकिन मैं भी रेजवागी  
क्यों बंदोर रहा है। धन का  
भंडार तो कहीं और है। और  
वह है पृथ्वी के महासागर।

पहाड़ी ऊंगलों के स्कार्पिक सूखने  
का असर जल्दी ही पानी की मुख्य  
स्रोत नदियों पर भी दिखने लगा-



और पानी के निम्न नदियों पर निर्भर रहने वाले कुंआरों  
पर भी-

इस समय तो पानी  
आता था। पर आज  
जल मुझे क्यों पड़े  
हूँ ?



बता नहीं  
यह सच है या  
अफवाह!



लेकिन तबें सुना  
है कि हिमालय के  
पहाड़ी ऊंगने स्कार्पिक  
सूख गये हैं!

अब पानी के कारण सूख  
बहने की नी बात आ गई थी-



हट!  
पहले मेरी बहली  
नगेरी!

मेरे  
बाप का राज  
है क्या ?



स्थिति नेजी से  
बिगाड़नी आ रही थी-

और यह अब बंद से  
बंदतर होने वाली थी-



मिल  
राई!

हैं!



क्या  
मिल रहा,  
चेली?

फरेमिला  
का पता मिल रहा  
है, गुड



सच! कहा  
है बंद?

बह इस महानगर से  
मैकडों किमोमीटर की  
दूरी पर है! लेकिन वह  
महानगर की तरफ ही  
बंद रही है!

बंद रही है!  
पर कैसे उड़ने  
हूँ?

यस! उपर बह  
दिशाभय में किसी तरह  
आजाद होकर हमारे पास ही आ  
रही है! स्वराह उस राहा है!



यस!

बल्ले, हम उससे  
मकसे पहले मिलने के  
लिए एक बटिया सी  
जगह ढूँढ़ते हैं!

महानगर  
की सबसे ऊँची  
उम्भार की छन!

जहाँ इस फरेमिला  
का स्वागत छोटा  
नागरज और नागड़ों  
के रूप में ही करेंगे!

और जल्दी ही-

उत्तर उस दिशा में  
है! फरेमिला उधर में  
ही आगयी!



मुझे उधर  
में कुछ आना दिख  
ना रहा है!

लेकिन ये  
तो फरेमिला  
के माइज  
की चीज  
नहीं है!



ये तो...  
ये तो...

ये... ये  
क्या चीज  
है, बेने?

पता नहीं, गुरु,  
लेकिन इसके डरावटे खनरनाक  
नज़ारे हैं! हमने ही फ्लेमिंग  
का अपहरण किया है!

ये अकूर फ्लेमिंग  
की आँखों का दुकणना  
करना चाहता है!

हमें इसको  
रोकना होगा!  
यहीं पर

पर कैसे ? जितनी दूर मैं  
मुझसे तीन हाथलौंग लगे, उतनी  
दूर मैं तो वह कर्तु किलोमीटर  
दूर पहुँच चुका है ! उसे रोकने  
के लिए हम उस तक पहुँचेंगे  
कैसे ?

वह चाहे जितनी  
दूर और जितनी भी तेजी  
से उड़ ले...

“... लेकिन वह जितनी से तेज नहीं  
भाग सकता...”

आहहह !



ओह! हाँ मैंने  
उसकी उम्मीद  
नहीं की थी

कहीं फ्लेमिंगा  
के चोट न लगा गई  
हो!



जल्दी आओ

रुक, रुक...  
पेले! मैं तेरी  
स्पीड को नियंत्रण  
नहीं कर सकता



आह!

अरे, रास्ता  
दे!

रास्ता तुम्हें दे  
वुगी तो मैं किस  
पर चलकर  
भागूंगी?

ये लोग इधर  
उधर भाग क्यों  
रहे हैं?

जहाँ पर फ्लेमिंगा  
मिनी है, ये लोग उसी  
दिशा से भाग रहे हैं!



सही भाग रहे हैं!  
उस गड्ढे से तो बड़ी  
बड़ी खतरा न उभर  
कर बाहर आ रही  
है!

खानी  
इन्के पीछे-  
पीछे...

फ्लेमिंगा को रोक करने  
वाला वह प्राणी भी अब  
बाहर आता ही होगा ..

... ओ भावा ! अब ये  
कुछ ही सेकेंड्स में हमसे  
कई किलोमीटर दूर भगा  
जाएगा , अब इसे कैसे  
रोकेंगे ?

रोकना तो  
पड़ेगा ही,  
मण्डो !

और ये स्केगा !  
बगैर फ्लेमिंगा को  
अज़ाद किए ये  
यहाँ से जा नहीं  
सकता !

आइस है! ब्रह्मांड रक्षकों को तो मैंने डिस्क करके अपनी लैब में पहुँच दिख है। अब उन्हें सादर वहाँ पर मुझे रोकने वाला संसा जैन पैदा हो गया जो बिल्डिंग की भी भुका दे।

पर... पर वे हैं क्या चीज? और फ्लेमिंगा की केट करके ये आपका कौन सा बकसद पुरा करना चाहता है?

अ तो इसका बकसद मामूली है और न ही इसकी उपस्थिति।

तभी अ तो ब्रह्मांड रक्षक इसका रास्ता रोकने की कोशिश करते और न ही वे पुरासे जीत पाता।

ये फ्लेमिंगा की माध लेकर घूम रहा है। और इसका सिर्फ एक ही कारण हो सकता है!

वो क्या?

ये फ्लेमिंगा का कुन्नेसाव डेटरी की तरह कर रहा है! फ्लेमिंगा से इसको अपना यंत्र चलाने के लिए कर्ज मिल रही है!

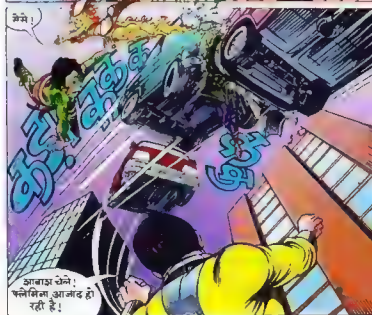
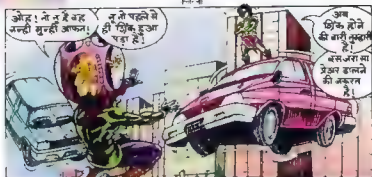
लेकिन इस यंत्र से ये क्या करना चाहता है?

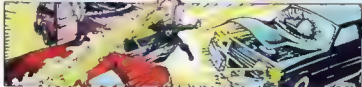
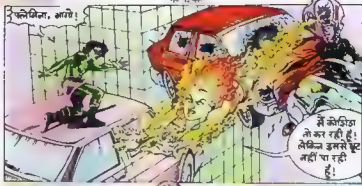
तुमने मुझ छोटा लोभराज? जागराज को इसी में बाबत किया है! थिंक करके!

हाँ! और उसका माध दूसरे ब्रह्मांड रक्षकों को भी! अब इसको हमें ही रोकना है!

जबाब जल्दी ही मिलने वाला था-







नू मेरे ऊर्जा-स्रोत को झुकासे  
अलग नहीं कर सकता, लड़के!  
और न ही नू मेरा रास्ता रोक  
सकता है!

मेरी नुक पर झिंके का इस्तेमाल  
करने की तो बहुत इच्छा है, लेकिन  
मैं उसे व्यर्थ नहीं करना चाहता।

इसी लिस में तेरे  
लिस बर्च-टी छोड़कर  
जा रहा है!

ये तो नुक  
ऊर्जा पता चला  
जाएगा!

मैं यहाँ पर ये  
नजारा देखने के  
लिस रुकना नहीं—

मैं तेरे पीछे—  
ओह!

ओह!

नू इस  
बर्च-टी में मेरे को  
ही कह रहे  
हैं?

ओह गॉड!  
नन्हा, छोटा  
जागराज!  
य तो भूमीगत की  
सिर्फ झुकाव थी—

और ये मुसीबत थिक हो चुके  
ब्रह्मांड राक्षसों के सिर और भी  
बढ़ी हो गई थी-

हमको इस  
कैद से बाहर निकलने  
का रास्ता ढूँढ़ना ही होगा,  
दोस्तों!

मेरे पास कैद भी नहीं  
है! वहाँ हममें से किसी को डंडा  
कोई चीज जकड़ मिला जाती  
तो हमारी मदद कर  
सकती!

पर कैसे?  
इस समय तो मेरे  
आँदर इतनी भी  
ताकत नहीं है कि  
मैं रुक धारा  
नोद सकूँ!

हमको जानबूझकर  
किसी केरे सिक्किड  
में कैद किया गया है  
तो हमको भद्रभूत  
नरह से जिन्दा तो सबे  
हम है मगर हमारी  
अकिले मोसकर  
हमें कमजोर भी  
कर रहा है!

अगर हम इस पाइप के  
ऊपर तक पहुँच सके तो वहाँ से  
कई दूसरे पाइपों का रास्ता खुल  
रहा है; वहाँ से हम बाहर जाने का  
रास्ता ढूँढ़ सकते हैं!

भूम तो दीवारों  
पर चिपककर चढ़  
सकने हो, जागराज!

भूम ऊपर  
तक पहुँचने की  
कोशिश करो!

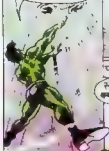
मैं कोछिड़ा कर चुका हूँ  
स्टील! ये द्रव अत्यधिक,  
चिकना है और इस पड़प  
की दीवारों पर इसी कालेष  
है! मैं दीवारों पर अपनी  
पकड़ नहीं बना सकता



प्लान  
तो बको!

प्लान सुनते ही-

स्टील  
क्यों नहीं?



मैंने कहा न कि मुझे  
चक्कर बहुत जल्दी  
आते हैं! मैं मुझे  
देख लूंगा ध्रुव!



नहीं! मैं... मैं ऐसा  
नहीं कर सकता! मैं एस-एस  
गोर्दी से एक साथ लड़ सकता हूँ, पर-  
पर ये मुझसे नहीं होगा!

ओ कम  
ऑन, होगा!

ऊपर तक पहुँचने का  
सक और तरीका है।  
और उसमें ये  
निश्चिद ही हमारी मदद  
करेगा, जो हमको  
कमजोर बना रहा  
है!  
पर उसमें हम  
तीनों को अपना-  
अपना योगदान देना  
होगा!

विज्ञान का सीधा  
सा सिद्धान्त है-



थोड़ी देर बाद  
सक नहीं, चार-चार  
ध्रुव दिखेंगे!

सबको  
सक साथ  
देख लेना!

किसी भी द्रव के गोल घुमाने से भंवर पैदा होती है, जिसके कारण द्रव बीच से दबता जाता है और उसके किनारे ऊपर उठने जाते हैं—

ओफ़! पाइप का धीर अभी भी दूर है! द्रव में इसमें ज्यादा भंवर पैदा नहीं हो सकता।

ये मौका दुबारा नहीं मिलेगा! मुझे कुछ और करना होगा!

द्रव में पैदा हुई घुमावदार ऊर्जा 'सेंटी फ्यूजन फोर्स' का इस्तेमाल करना होगा!

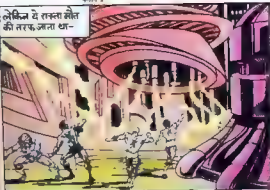
आइस है! बम अब मेरा हाथ न फिसल जाय।

लाओ, नाबाल! ओप रमसी को मेरी तरफ छोड़ो!

और इस वक़्त ऊपर उठने किनारे की सवारी पर ध्रुव सवार था—

कुछ ही पलों के बाद  
ब्रह्मांड रक्षकों ने  
बाहर निकलने का  
रस्ता ढूँढ़ लिया  
था-

लेकिन ये रास्ता मौत  
की तरफ जाता था-



सच कहा जाल तो इस  
समय अधिकतर रास्ते  
मौत की तरफ जाते थे-

ओह! तो ये  
है, बर्ष ही!  
इसमें से हज़ारों  
कड़ फल उग रहे  
और उनके अंदर  
में घातक प्राणी पैदा  
होकर निकल रहे  
हैं!



इसकी तादाद  
तो मल्लिखों जैसी  
है!

इसमें  
हम कैसे  
निपटेंगे?



मकखी  
बलकर!

ओ गुडनेस!  
अनेक छोटा नगराज!  
और वह भी मकखी जैसे  
रूप में!

नम्रहारी इन्सिक्टों  
को कोई ओन है सी  
या नहीं?

पता नहीं! जैसे ही  
कोई नई मुसीबत मेरे सामने  
आती है, मेरे अंदर कोई  
नई इन्सिक्ट जगृत हो  
जाती है!

और वह सर्पादर्शक  
इन्सिक्ट मुझे यह बता रही है  
कि इस रूप में मैं ज्यादा  
दक्षता से उड़कर...



...इन मुसीबतों  
से निपट सकना  
है!

गुड! और मैं इस  
मुसीबत को जड़ से काटने  
का उषय सोचता हूँ!



कादम्ब उतल  
अरक्षा आइडिल  
नहीं है!



डुस्साडुसा और जल्लोरा  
ज्यादा स्ट्रेचिबल आइडिल  
लगा रहे हैं!

अरे! ये तो रोसे  
ही हुआ जैसे कि कोटु  
कॉपिस की सीसी से पेड  
जलाने की कोशिश  
करे!

अब तो... आइए!

ये बर्ष ही  
तो जगज हो  
गक

हमारी लड़ाई  
भी अभी तक बराबर  
की है, माडको!

नकि.

अरे! बचे  
ही की क्या हो  
रहा है?

हुमके, नजे से  
आप बढ रही है! जैसे  
कि, ये गर्ज हो रहा  
हो!

ये... ये तो  
अपने आप गलत रहा  
है! पर कैसे?

लेकिन अब  
धरि. धरि दुनकी तादत  
बढ रही है! ये ज़ापी  
बुझ पर हावी हो रहे  
हैं!

फ्लेमिंग के  
अलावा दुनकी गार्मी  
भला कौन पैदा कर  
सकता है?



आवा ! जो जमीन  
को गलाकर मुरंग बना-  
कर सीधे इस तने के  
अंदर प्रवेश कर सकता  
है !

लेनी •  
कहानी है ! अपनी  
इसी आवा को बचाने  
के दौरान मैं एक अज्ञात  
मुरंगी में गिर गया था, और  
आवा बन गया !

आप... आप  
तो फ्लेमिंगा के  
बापा हैं !

कैसे  
बदल गए ?

मैंने ठीक होने  
के लिए सटी होर पिछा,  
पर उसका असर ज्यादा  
देर तक नहीं रहा !

आपकी आवा  
उससे बहुत मिला  
रही है !

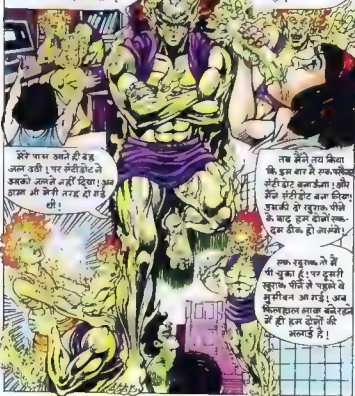
पर तुम  
लोहा बंदन  
हो ?

फ्लेमिंगा के दोस्त  
छोटा नगराज और साबुल !  
लेकिन आप और फ्लेमिंगा  
इस रूप में कैसे बदल  
गए ?

ये स्थिति  
आवा के लिए  
ज्यादा दुःखदायी  
थी !

क्योंकि वह किन जो की अच्छी  
बार-बार मेरी गोद में बैठना चाहती  
थी : मेरे गले लगना चाहती थी : लेकिन  
उस वक़्त मेरा अपने ऊपर कंट्रोल नहीं  
था ! मुझे पता नहीं था कि मैं कब  
लाता में बदल जाऊँगा !

मैंने एक और सेंटीडोट बनाई :  
पर मेरे बजाय वह डराने में पीली : इस  
उन्मीद में कि सेंटीडोट पीकर जब वह  
मेरे पास आसगी तो मेरी आँखें उस पर  
असर नहीं करेगी ! पर ऐसा हुआ  
नहीं !



मेरे पास आने ही वह  
जल उठी ! पर सेंटीडोट ने  
उसको जलने नहीं दिया ! अब  
डराने भी मेरी तरह हो गई  
थी !

तब मैंने तय किया  
कि इस बार मैं एक सेंटीडोट  
सेंटीडोट बनाऊँगा ! और  
मैंने सेंटीडोट बना लिया !  
उसकी दो खुदाई पीने  
के बाद हम दोनों एक-  
दूसरे ठीक हो जायेंगे !

एक खुदाई ने मैं  
पी चुका हूँ ! पर दूसरी  
खुदाई पीने से पहले वे  
मुसीबत आ गई ! अब  
किलहलाल लाकर बने रहने  
में ही हम दोनों की  
भलाई है !



अब मैंने यहाँ पर हो रही  
गड़बड़ के बारे में सुना तो मैंने  
सोचा कि अचयद फ्लेमिंग भी  
यहाँ पर हो। लेकिन यहाँ  
पर तो सिर्फ तुम दोनो  
हो।

लाला  
अंकन!

अब क्या  
हुआ ?



हिमालय  
बाले प्राणी तो  
राम राम  
हो।

इस नुरंग भजन आस  
हो। अचयद बाद में वे  
भी उठ खड़े हुए  
हो।

पर इनके अंदर  
आगर कोर्टेड सीफ्टबेयर  
का प्रोग्राम जैसी चीज  
होती तो वह भी आस  
से नष्ट हो जाती!

इस! यह तो  
सही है। वादी कि  
इनका प्रोग्रामिंग &  
मिरनल कहीं और से  
जिम्मे रहे हैं।



ओ गैड!  
ये पेड़ तो फिर मे  
खड़ा हो गया! पर  
कैसे ?

मेम्बर जो  
हिमालय की गुफा में  
हो चुका है। इनके अंदर  
अगर किसी खबर किस्म  
की कंस्ट्रिग है।

कंडिग ?  
जैसे कि कंप्यूटर,  
नैगटिव की ?

सकटस  
सही!

तब तो काग बने गये। इसी  
सेटल पौब, मिमिनल का पीछा  
करने हुए हमको उस जगह पर  
पहुँचा सकनी है जहाँ पर मेन  
कंडोल सेटर है।

अचयद वही सेटर जो  
हिमालय की गुफा से  
ग़ायब कर दिया गया।

तो सोचता  
बच है येने ?  
एवान लगत और  
एकड़ मिरनलहीन  
को।



माइक्रो का सोचना  
सही था। मुझे कंडोल  
बीन का बूत मिल रहा  
है।

"अब जान्दी ही हम इसके सोर्स तक पहुंच जायेंगे।"

नारों की प्लास्टिक कवरिंग का इस्तेमाल करने वाले तुम्हारे आइडियल ने हमको गिरनी बिजलियों का ये मैदान पार करा दिया भूव!



हमारा छोटा होना भी हमारे काम आना जा रहा है स्टीन!

अब हमको दरवाजा खोलने की जरूरत नहीं है! हम दरवाजे के नीचे की खाली जगह से ही निकल सकते हैं!

और आज़ाद... मर्दानों!

हम... हम तो एक कुंजी चटखन के रूप में।



हम पहली में तो ये पहुंचने के लिए सॉफ्ट रबड़ी का प्रयोग किया तो अभी तक पहुंचने से पहले भी सॉफ्ट ही रहना ही जायेंगे!

मेरे पास एक और बटियल रसल है!

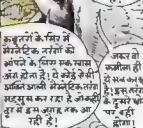
और फिर

कमाल है भूव! आज पहली बार फ्री मथर टिकट का मजा मिला है!



अब ये कबूतर क्या कर रहा है?

ये कुछ अभीच सी बात कह रहा है!



कबूतरों के सिर में मैग्नेटिक तरंगों को भंडारने के लिए एक खास अंग होता है। ये अंगों से ही इन्होंने अपनी मैग्नेटिक तरंग सट्टास कर रहा है जो कहीं दूर में हम जगह तक आ रही है!

जकर वो कमीना ही ये सब जान रहा है! इस तरंग के दूसरे धोर पर बही होगा!

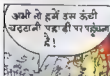




अंकल,  
धुप जाओ।

पर  
क्यों ?

बाद में पूछना !  
अभी तो उस बादल  
की आड़ ले लो !



अभी तो हमें उस ऊंची  
चट्टानी पहाड़ी पर पहुँचना  
है !



बाल-बाल  
बचे !

अरे ! दे तो  
ब्रह्मांड रक्षक  
है ! पर ये छोटे  
ऊँसे हो गए !

पर तुम  
इससे धुप क्यों  
दे हो ?

ये आपकी  
कहानी से मीलती  
कहानी है अंकल !



मुझे डरना को टूटना है ! और  
डरना यहाँ पर नहीं है ! और  
अगर वह यहाँ पर नहीं है तो  
आपदा यहाँ होगी जहाँ पर ब्रह्मांड  
रक्षक जा रहे हैं !

मुझे भी उसके  
पीछे जाना होगा !

यहाँ तो  
मकड़म  
आँत है

यहाँ पर कुछ  
भी नहीं है  
बच्चों !



जो कुछ भी  
है वह यहीं पर  
है अंकल !

यहाँ पर कुछ होगा  
तो ब्रह्मांड रक्षक यहाँ से  
अपस न जा रहे होंगे !



लेकिन  
अंकल...

आप बच्चों ! लौटते  
में मैं नुसको भी लेता  
जाऊँगा ! वहीं रहना !



जब सब वहाँ से  
जा रहे हैं तो हम यहाँ  
पर क्यों रुके हैं  
छोटा राजा राज ?

क्योंकि वे, बहुत  
नहीं जानते जो हम  
जानते हैं : इस राति  
प्राणी को हराने का एक  
ही तरीका है : इस कंटोप  
संहर को मरुट करने  
का !

इस  
दुनिया की  
अधिकांश उम्मीद  
हम हैं !

मरुट प्रमोद  
और थी.



लेकिन किम हल्ल कहीं दुनिया पर संतान  
बाल सबसे बड़ा खतरा भी थी-

फलेमिता !

सेसा नहीं हो सकता : मैं  
पृथ्वी के बिनाश का कारण नहीं बन  
सकती. मुझे अपनी कृपा को रोकना  
होगा ! लेकिन मैं ससा नहीं कर पा  
रही हूँ !

देख-बड़की : अब न आजाद  
होने ही वाली है : मैंने अपनी दुनिया  
को हिमालय से हटाकर अरुणाचल  
की पहाड़ियों पर सुरक्षित छिपेट  
कर दिया है !

अब मैं तेरी छवि से पृथ्वी के सभी  
सहासियों के चाली से छिड़ करके एक शिपाम  
में भरूँगा और फिर उसे लेकर अपने बग  
पर लाऊँगा और उसे नष्ट कर दूँगा !



छातक किन्तु ने  
पृथ्वी पर जीवन का  
अंत करने के लिए  
पहला चरण उठा लिया  
था



लेकिन पृथ्वी का जीवन इनकी  
आकांक्षी से मरुट होने वाला नहीं था-

नहीं कर पा  
रही हूँ मैं सेसा !

ओफ़ ! ये  
सीमल का भुंड़  
अकस्मात, बीच में  
कहाँ से आ गया ?

मेरी  
कीमती छिड़क  
रे को बेकार कर  
दिया !



अब मेरी रान में  
डिंक रे बहुत  
कम मात्रा में  
है!

इस बार  
को तो हर हाल  
में कामयाब होना  
ही पड़ेगा!

पर...पर  
अब रान चाल  
क्यों नहीं रही  
है!



ओह! इस लड़की  
मे अपने हाथों  
को मजजी को डिंक  
रान तक पहुंचाने वाली  
मलियों में कैसा दिख  
है!

रान को  
पूरी ऊर्जा  
नहीं मिल  
पा रही है!



लेकिन ये लड़की  
यह नहीं जानती  
कि अल्टी ही मेलने  
में जमा होती ऊर्जा  
का टबाव हुनका  
बढ़ जायगा कि  
यह उसको सह  
नहीं पासगी!  
इसको हाथ  
निकालने ही  
पड़ेगे!



शलत! मैं मलियों में  
निचकर अपनी जान दे दूंगी!  
लेकिन घुबही के बिनाडा का  
कारण नहीं बनूंगी!

दोनों तरफ से चालें  
बटती जा रही थीं—



असह्य! अब रान में फिर  
से मजजी आ गई है! मैं डिंक  
रे के स्क- दो बार और कर  
सकता हूँ!

अब मुझे डॉटिक्ट अपना  
पड़ेगा! अगर ऊर्जा मलियों के रास्ते तक  
नक नहीं आ पा रही है तो मैं इसे ट्रांसमिशन  
के रास्ते से संग्रहीत! अपनी शिप में मैं  
तरंगों द्वारा जुड़ा हुआ हूँ! ये ऊर्जा अब शिप  
के जरिये मेरे पास आसगी!

अब पानी  
और मेरे बीच  
में...

... कोई नहीं आसना! अरे! ब्रह्मांड रक्षक आज्ञाद कैसे हो गए ?

लगाता है मेरा तड़ित-अमरोध तुमको रोक नहीं पाया ! लेकिन तुम अच्छर के रूप में मेरा कुछ बिगड़ नहीं पाओगे !

तुम्हारे संसुओं पर पानी फेरने के लिए !

फिर हम क्या करें ? खड़े-खड़े पृथ्वी के खतम होने का तमझा देखें ? कोई तो रास्ता होगा झुककर रोकने का !

ये सच कह रहा है ! हमारे कर्ों में इतना दम नहीं है कि हम इसको रोक सकें !

अगर हम इसको रोक नहीं पाएंगे तो हमेशा के लिए इसी रूप में रह जायेंगे ! ब्रह्मांड रक्षकों का नामोनिशान भिट जासना !

ब्रह्मांड रक्षक बहादुरी तो दिखा रहे थे, लेकिन फिलहाल वे असहाय थे-

अब सारा दारोमदार 'टीन-हीरोज' पर था-

ये तो वही जगह है साइबो ! ये जरूर किसी किस्म की डिप होगी ! वरना इतनी लंबी-चौड़ी चीज को इतनी जल्दी सके जगह से दूसरी जगह ले जाना संभव नहीं है !

सही कहा ! पर इतनी बड़ी जगह में हम वह कंजेशन सेंटर कैसे दुंदेगे जो कोडिंग को नियंत्रित कर रहा है ?

ये तुम्हारा काम है शुक्र ! मेरा नहीं ! पर रोक बार तुम उस जगह का पता लगा लो...

... तो उसे तोड़ना मेरा काम है !

लगाता है किन्मत हमारे साथ है चेले! पूरी क्षिप के सिस्टम 'इष्ट-बाउन' हैं, लेकिन वह हिस्सा जमावड़ा रहा है!

जकर वही इस  
डिप का मेन कंट्रोल  
सेटर है!

किन्नरान मचमुच हुन दोनो के साथ ही यह कैटोल मेंट डस कारण चमक रहा था, क्योंकि येक इसका प्रयोग फनेमिना की कर्ज को अपने तक पहुँचाने के लिए कर रहा था-

उससे पहले मैं  
तुम्हारे तोड़-फोड़  
दंगा

ये... ये यद्वा  
पर! और वह  
भी चार चार।

एक कोटिंग से  
करुं सारी एक बैसी  
वस्तुओं बनाई जा सकती  
है, धोटा नगराज!

ये तो सिर्फ चार हैं। कोडिया  
से तो ये चार सौ चार हजार  
वा चार लाख बी बर सवाली हैं।

कोई बात नहीं! अगर ये चार या चार हजार बन सकता है तो मैं भी हजारों रूप बना सकता हूँ!  
मुझ मशीन को तेजसे की कोशिश करो! मैं इसको गैककर रखता हूँ।

आइस हूँ! मैं अपने और रूप नहीं बना पा रहा हूँ!  
पर क्यों?

क्योंकि जब नू पिछली बार यहाँ पर आया था तभी मेरे पाँच-पूँछर ने मेरी इच्छियों की स्क्रिनिंग कर ली थी।

ओह अब इसी ने सब चीजें फिक्स्टर बनाया है। तेरी इच्छियों को फिक्स्टर करने के लिए।

अब यहाँ पर मेरी सारी इच्छियाँ फिक्स्टर हो गयी हैं! मेरी कोई भी इच्छि मेरे बच नहीं आयेगी!

मैं भी क्या करूँ?  
ये मशीन न जाने किस चीज से बनी है! टूटने लगे हुए, इस पर तो साराँच भी नहीं आ रही है!

अब नू ही कुछ कर साइबो!

लेकिन मुझ पर जबरन आयेगी!

दुखिरा की आखिरी उम्मीद भी टूट गयी थी-

और माध में बड़ाई रखकों की हथिदियाँ भी टूट गई थीं-

दुसका पहलुन बार रोक्के के लिए तो मैंने 'मीकल्स' को आगे भेज दिया था, लेकिन अब तो आसपास कुछ भी नजर नहीं आ रहा है:

देखो! हम पर ये पहलू ही छिंके का दुर्गन्धाल का चुका है! अब दुबारा हम पर इसका आगम नहीं होगा, और हावा भी तो मिथिसम न्यूनतम!

असिर हम कितने धोटे होंगे?

यस धुब! आसपास सब चीजें हैं, और वह हैं...

हम आगे!

हम आगे! यम! टिम ड्रज ग राइ अइविका

कैसा आइविका? देख, दुस का मुक, ककर कटाप तो...

कुनने धोटे भी कम हैं कला > और पलास कला है >

सिमपल स फलन है! छिंके को रज से बाहर निकलने से रोकना है!

येसे! इसकी राज की ललियों को जाम करके!

इसके स्पडी से तो जैसे हजारों बोल्ट का करंट जरा रहा है:

और धोड़ी बहुत किरणें फिर भी बाहर निकल ही गयी है!

लेकिन इसकी मजरा बहुत कम है! और ये विजलीन भी है! अब मल्टी ही ये पुरा रैज बेक ऑक की कलह में अपने जप ही टूट जायगा!

आइस है! ये सही कल रहे हैं! छिंके दुसको और धोटा तो का मजली है, लेकिन यह प्रोमिस बहुत क्लो है! धीमा है! उससे पहले तो मेरा रैज ही फल जायगा!

मुझे मल्टी ही अथर मकसद पुरा करना होगा!

और येसा कर पने का अब एक ही रास्ता है!

ओह! ये तो समुद्र के अंदर कुदना चाहता है। मेमा करने से पानी दिखा-  
हीन 'जिक' 'रज' के संपर्क में आ  
जायगा। और पृथ्वी पर जीवन का  
अंत हो जाएगा! इसे रोको,

जोशराज

बेफ़िडा  
करता हूँ! पर  
मेरे साथ साथ  
मेरे सपने भी जिक  
हो गए हैं!

मैं अपने  
उत्तरी के सारे सपने  
निकाल दूंगा!

लेकिन  
ये भी ज्यादा  
दूर इसका  
बोझ नहीं  
सह पायेगा!

पृथ्वी का विनाश कुछ ही इंच-

और कुछ ही पल दूर था-

जल्दी करो माइक्रो! अगर  
सिस्टम टूट नहीं रहा तो  
सिस्टम में कोई प्रयास कल-  
का उसे कैच करवा दो!

तब तक मैं इनको  
कैसे रोके? इनका  
पीयर फिल्टर तो मेरी  
उपस्थिति को फिल्टर  
कर रहा है

क्योंकि वह हमको  
स्केन कर चुका  
है!

मैं वहीं तो कर रहा हूँ,  
लेकिन ये प्रेशरिंग  
जित-कूल अक्लम है!

जैसे कि  
किसी दूसरे ग्रह की  
हो। मैं समझ ही नहीं  
पा रहा हूँ!

इस  
समय के लिए  
मुझे धैर्य और  
कम चादिये!

अगर मैं कोई  
नई उपस्थिति  
उत्पन्न कर लूँ तो पीयर  
फिल्टर उसको  
प्रयोग कर चुका हूँ! रोक नहीं पायगा!

मुझे सोचना होगा;  
मुझे कैसे टूट करना  
होगा।

और फिर मेरा दिमाग  
अपने आप मेरे अंदर  
झुपी उस डाकिले को  
टूटकर उसे कस्टोडियन  
कर देगा।



और फिर-

फर्निनि

इससे

ये बरखा है?

सक नहीं  
पोंवर!

ये बरखा  
है या पोंवर  
हाउस?

घबराओ मत!  
टिके रहो!

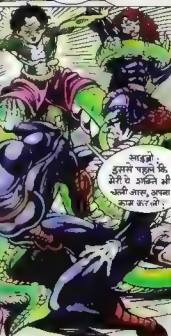
जल्दी ही पोंवर  
फिल्टर इस पोंवर की  
भी कपट बनाकर इसमें  
भी फिल्टर कर देगा!

वाऊ! आज... आज  
पहली बार मेरी  
मनोअवस्था  
जगमग हुई है!

और वह भी  
मेन बनकर पर!



मैं... मैं इस प्रोग्रामिंग  
की बेसिक लेक्चर को समझ रहा  
हूँ छोटा नाराज! अब बस मुझे  
इसका सेंटी प्रोग्राम निरखने के लिए  
समय चाहिए!



साइडो!  
इससे पहले कि  
मेरी ये अवस्था भी  
अपनी जाय, अपना  
काम कर लो!

साइबो की उंगलियाँ  
उतनी तेजी से क्लिकबूम  
पर नहीं चल पा रही थीं

और पॉवर फिल्टर छोटा नागराज  
की उंगलियों को क्षीण करता जा रहा था-

ई या SSSSS



ये कमजोर पड़  
रहा है! इसकी एक टुकड़ा  
बाच बचा हुआ है! जल्दी ही  
इसकी पूरी उम्र खत्म होगी!

मम मिलकर  
टूट चके इस  
पर!



अरे! वो सब  
कहाँ गायब  
हो गया?

ये सभी रूप कंट्रोल  
सेंटर से संचालित हो  
रहे थे!

यानी कंट्रोल  
सेंटर को मैंने हथ  
कर दिया है!

मैंने इसका सेंटी  
प्रोग्राम लिखकर इसमें  
लोड कर दिया है!

आवाज, गुरु!  
यानी हमने इस  
प्रसीबल का अंत  
कर दिया है!

यानी...यानी...

क्या सचमुच सेप्सा हो गया था-



मेरा हेलमेट टूट रहा है! पर कैसे? डायड केंद्रीय सेंटर में खराबी आ गई है! पर मेरा कास हो चुका है!

और अरबों क्यूबिक टन पानी तेजी से सिस्टमेटला था-



अब पृथ्वी का निवास सारा जल-

हो चुका है!

क्योंकि सुभे लटकाने वाली लोडारस्सी टूट चुकी है!



पानी का संपर्क, रॉय में अभी तक मौजूद छिकरे से हो चुका था-



उस छोटे से गिलास में कैद था-



या SSSS ह!



मेरा अभियान सफल हो गया है!



इतनी जल्दी नहीं,  
औरत...

...तुम ठीक तो  
हो न, बेटी!

पता नहीं पता!  
मिर घूम रहा है।  
इसने मेरी पूरी इच्छा  
चुसकर मुझे पृथ्वी पर  
जीवन के अंत का  
कारण बना दिया  
है!



मेरे सेमा  
नहीं होने  
दुःख, बेटी!

अभी तो  
पापा के अंदर  
इतनी गर्मी  
सोजूद है...



...जो इस प्रक्रिया  
में सोजूद पृथ्वी के  
संपूर्ण जल को...



-- बादल बनाकर  
फिर से धरती पर  
बरसा दे!



आस है!

जितनी तेजी से पानी छिंक हुआ था, उतनी ही तेजी से पानी फैलने लगा -

और डिंक रे का असर खत्म होने लगा-

भायो, गुरु!  
सारी मशीनें टूट  
रही हैं! डायड  
अब इनमें ऊर्जा  
का संग्रहीत की  
क्षमता नहीं  
है!



डिंक रे का अस्तित्व  
भी मिटने लगा-



हम सभी में से  
ऊर्जा का कच्चा  
बाहर फूट रहा है!

हम अपने  
सामान्य आकार में  
वापस आ रहे हैं!

मशीनों के खत्म होते ही-



और यह सब  
संभव हुआ है  
लाबा की मदद  
से!

लेकिन हम बर्बाद हो गए  
हैं! अब मेरे गुरु का रुक  
भी प्राचीन जीवन नहीं बचेगा  
गुराची प्रजाति ब्रह्माण्ड से  
नष्ट हो जावगी!

तुम ठीक  
तो हो न,  
लाबा?

आह! अब मैं सिक  
कलाबा हूँ! मेरी सारी ऊर्जा  
पानी को भीषण बल में खर्च हो गई है!  
अब मैं और मेरी बेटी सामान्य दुंसल बन गई हैं!

प्रजाति? गुरु?  
तुम आखिर हो  
कौन?



एक सुदूर गुरु गोचल  
का प्राणी! हमारे गुरु का  
जल धीरे-धीरे लुप्त हो गया!  
हम जल के अभाव में मरने  
लगे!



तब हमने अपनी खोज  
गुरु की ओर पुष्पी जान के  
जलबुधन गुरु को ढूँढ़ लिया!  
पर समस्या थी कि इतना सारा  
जल एक गुरु से दूसरे गुरु पर कैसे  
ले जाया जाए! तब मैंने दिन रात  
मेहनत करके इस डिंक रे का  
अविष्कार किया!

लेकिन अब सब स्वतन्त्र हो गया है। मेरे हाथ पानी की एक बूंद भी नहीं लगी। मेरी छिप में अब सिर्फ बरस जाने लायक ईंधन है। पर बापस में कौन सा मुँह लेकर जाऊँगा ?

और क्यों जाऊँगा ? बापस जाकर जालों गुराचियों को मृत देखने के लिए ?

इससे तो अच्छा है कि तुम ज़्यादा रक्षक मेरा अभी और यहीं पर अंत कर दो !



बड़े झोक में। बस थोड़ा सा दर्द होगा !

रुको होगा ! ये अपराधी नहीं है ! इससे ये सब...

हां, रुको ! मेरे दिमाग में एक बात आ रही है !

मेरे राह का केंद्र पृथ्वी की तरह गर्म नहीं है ! ठंडा है ! पानी धीरे-धीरे उसमें गिरकर बर्फ बन गया है ! पानी अभी भी मेरे राह पर मौजूद है ! बस उसे पिघलाने का रास्ता सोचना है !

मैं चला ! मैं चला !

एक झिलट ! अभी तक, तो तुमको ये बात नहीं पता थी !

हां, नहीं पता थी ! न जाने अभी कैसे ये खोज मेरे दिमाग में आ गया ?



तुने लासो मिट्टीयाँ बचाई हैं, येने !

कुछ समझ ही नहीं आया, वार !



ले कौन सी अखिल है जिसने उसको ये रहस्य बता दिया !

हां, रुक ! जब मिट्टीयाँ झटक से मैंने तुम्हारे कंप्यूटर पर जोक की बातें सुनीं तो मैंने तुरन्त अपने मानसिक रूप को उसके राह पर भेजकर वहाँ की छानबीन करी ! और वहाँ पर मुझे बर्फ बनाने का सिद्धांत मिला !

जोक को कभी पता नहीं चलेगा कि, उसकी प्रवृत्ति को जीवनदान देने वाला हमारा टीन सन सुपर हीरो खोजे नागराज है ! पादोई भी सैह ! चलता है वार !